किसान की पत्नी

इदरीस शाह

किसान की पत्नी

इदरीस शाह

किसान की पत्नी एक दिन जब पेड़ से सेब तोड़ रही थी, तो एक सेब जमीन के एक छेद में गिर गया और फिर वो उसे बाहर नहीं निकाल पाई.

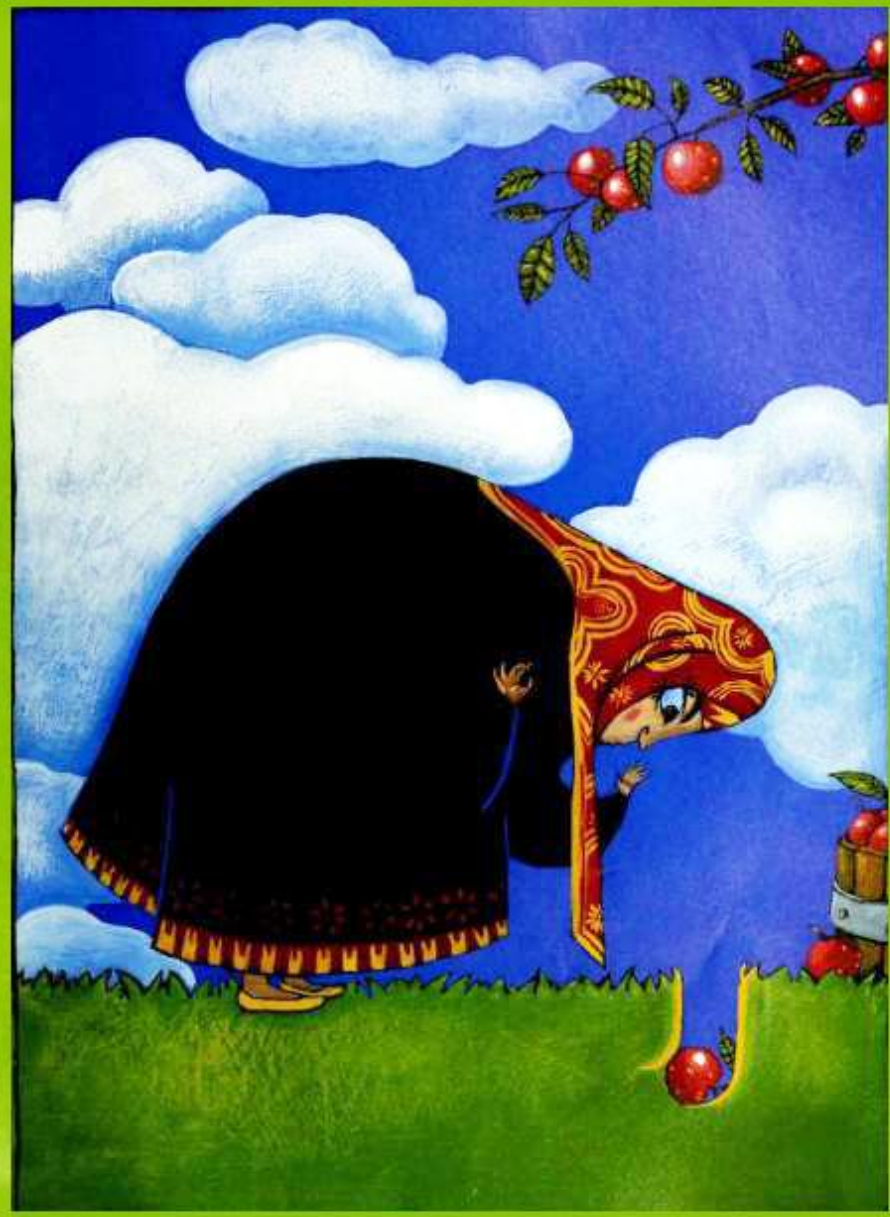

उसने उसकी मदद के लिए चारों ओर देखा.

उसने पास के पेड़ पर बैठी एक चिड़िया को देखा.

उसने चिड़िया से कहा, "चिड़िया, चिड़िया, छेद पर जाओ और मेरे लिए सेब वापस लाओ!"

लेकिन चिड़िया ने जवाब दिया, "चूं, चूं," जिसका अर्थ था, "नहीं."

आप देखें, वो कितनी शरारती चिड़िया थी.

किसान की पत्नी ने कहा, "वो कितनी शरारती चिड़िया है!"

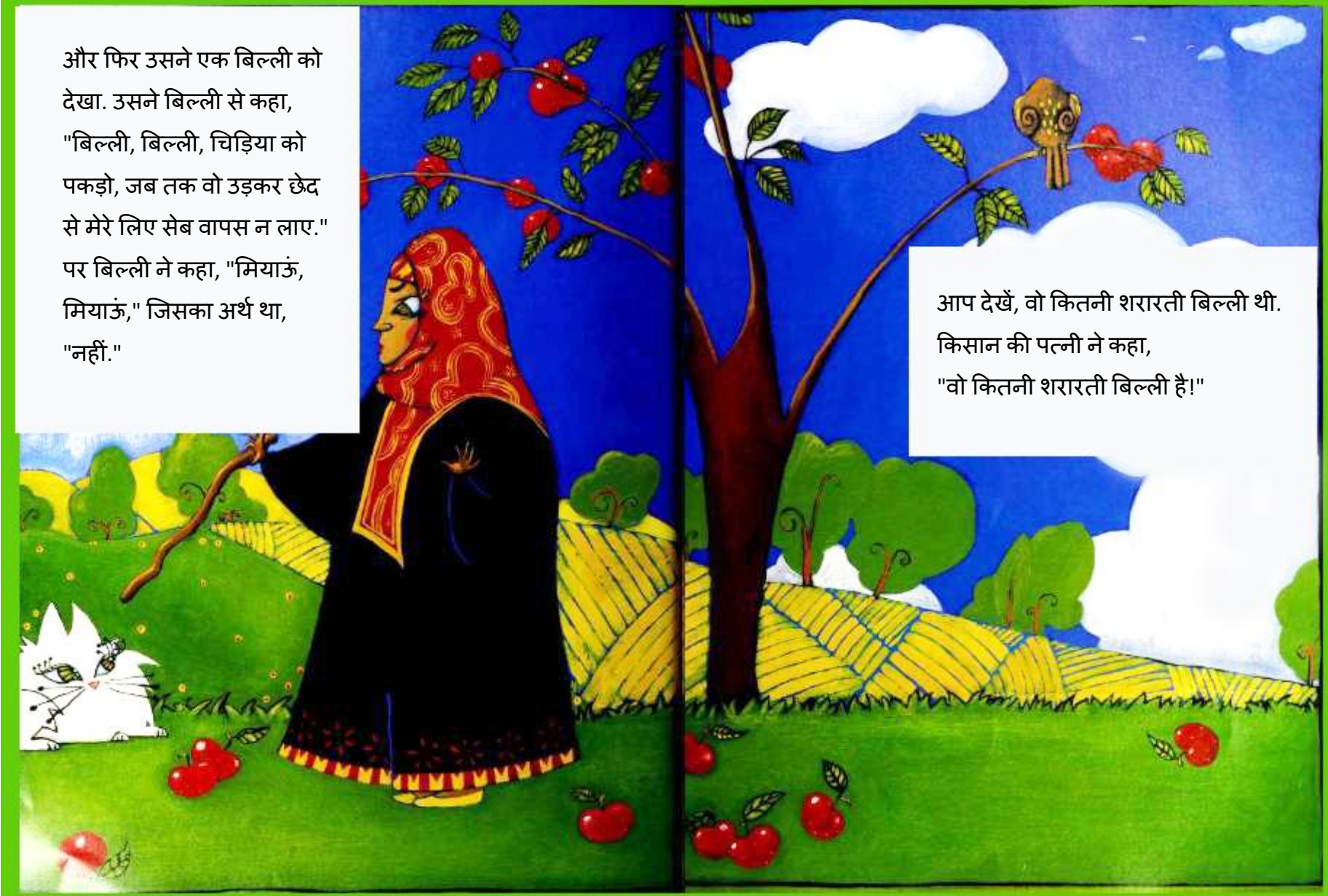

और फिर उसने एक बिल्ली को देखा. उसने बिल्ली से कहा, "बिल्ली, बिल्ली, चिड़िया को पकड़ो, जब तक वो उड़कर छेद से मेरे लिए सेब वापस न लाए." पर बिल्ली ने कहा, "मियाऊं, मियाऊं," जिसका अर्थ था, "नहीं."

आप देखें, वो कितनी शरारती बिल्ली थी. किसान की पत्नी ने कहा, "वो कितनी शरारती बिल्ली है!"

और फिर उसने एक कुत्ते को देखा. उसने कुत्ते से कहा, "कुत्ते, कुत्ते, बिल्ली का तब तक पीछा करो जब तक वो चिड़िया पर कूदे नहीं, जब तक चिड़िया छेद तक उड़कर मेरे लिए सेब वापस न लाए."

लेकिन कुत्ते ने कहा, "भों! भों!" जिसका अर्थ था, "नहीं."

आप देखें, वो एक शरारती छोटा कुत्ता था.

किसान की पत्नी ने कहा, "देखो वो कितना शरारती छोटा कुत्ता है!"

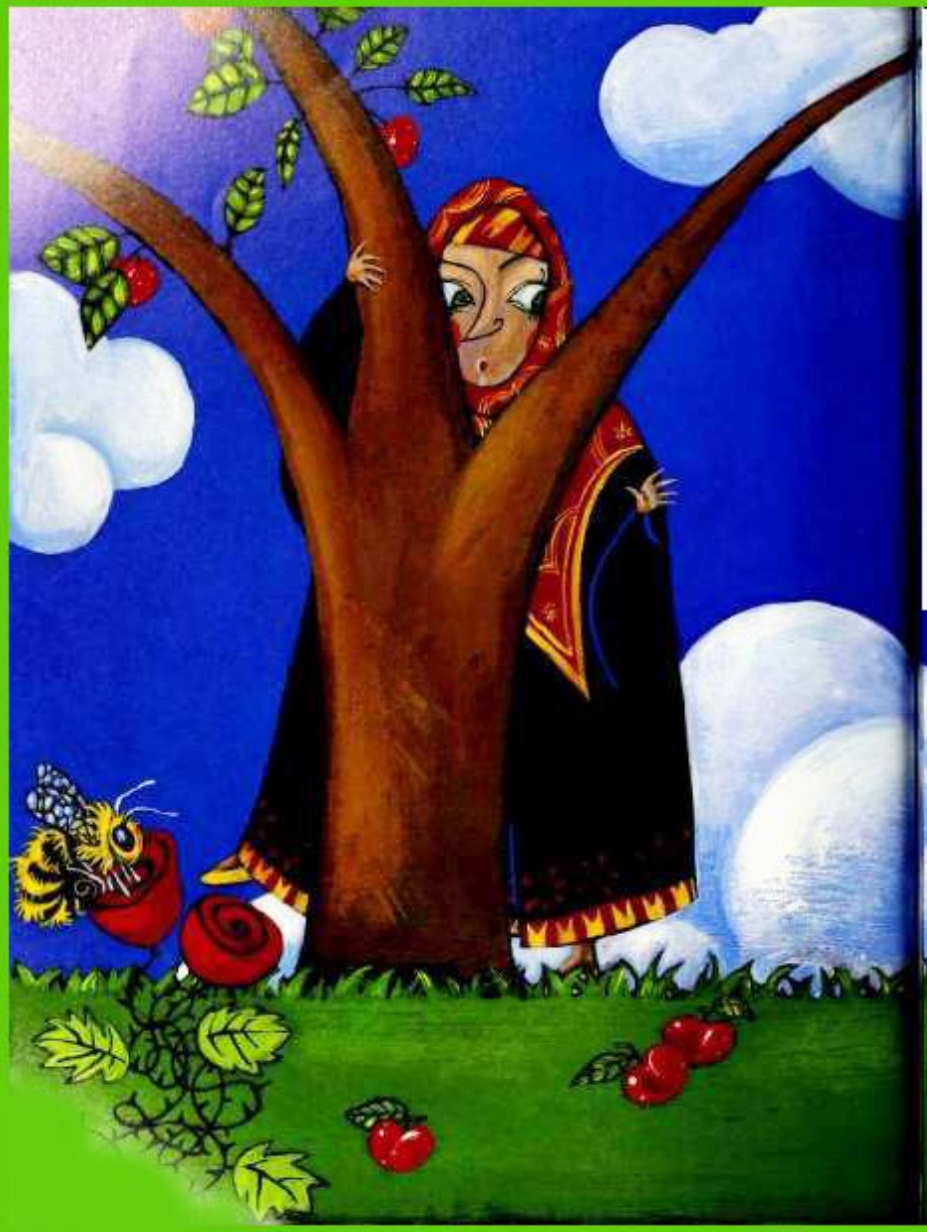

फिर औरत ने चारों ओर देखा. उसे एक मधुमक्खी दिखी. उसने मधुमक्खी से कहा. "मधुमक्खी, मधुमक्खी, कुत्ते को डंक मारो, जब तक वो बिल्ली का पीछा न करे, जब तक बिल्ली, चिड़िया पर कूदे नहीं, जब तक चिड़िया छेद तक उड़कर मेरे लिए सेब वापस न लाए."

लेकिन मधुमक्खी ने कहा, "बज़-बज़," जिसका अर्थ था, “नहीं."

आप देखें, वो एक शरारती मधुमक्खी थी.

फिर किसान की पत्नी ने कहा, "चलो कोई बात नहीं. तुम एक शरारती मधुमक्खी हो!"

फिर उसने चारों ओर देखा और उसे मधुमक्खी-पालने वाला दिखा.
उसने उससे कहा.
"शहदवाले, शहदवाले, मधुमक्खी से कुत्ते को डंक मारने को कहो, जब तक कुत्ता, बिल्ली का पीछा नहीं करे, जब तक बिल्ली, चिड़िया पर कूदे नहीं, जब तक चिड़िया छेद तक उड़कर मेरे लिए सेब वापस न लाए."

पर शहदवाले ने कहा,
"नहीं, मैं यह नहीं करूंगा."
तो किसान की पत्नी ने कहा,
"ठीक है! तुम एक शरारती मधुमक्खी-पालक हो!"

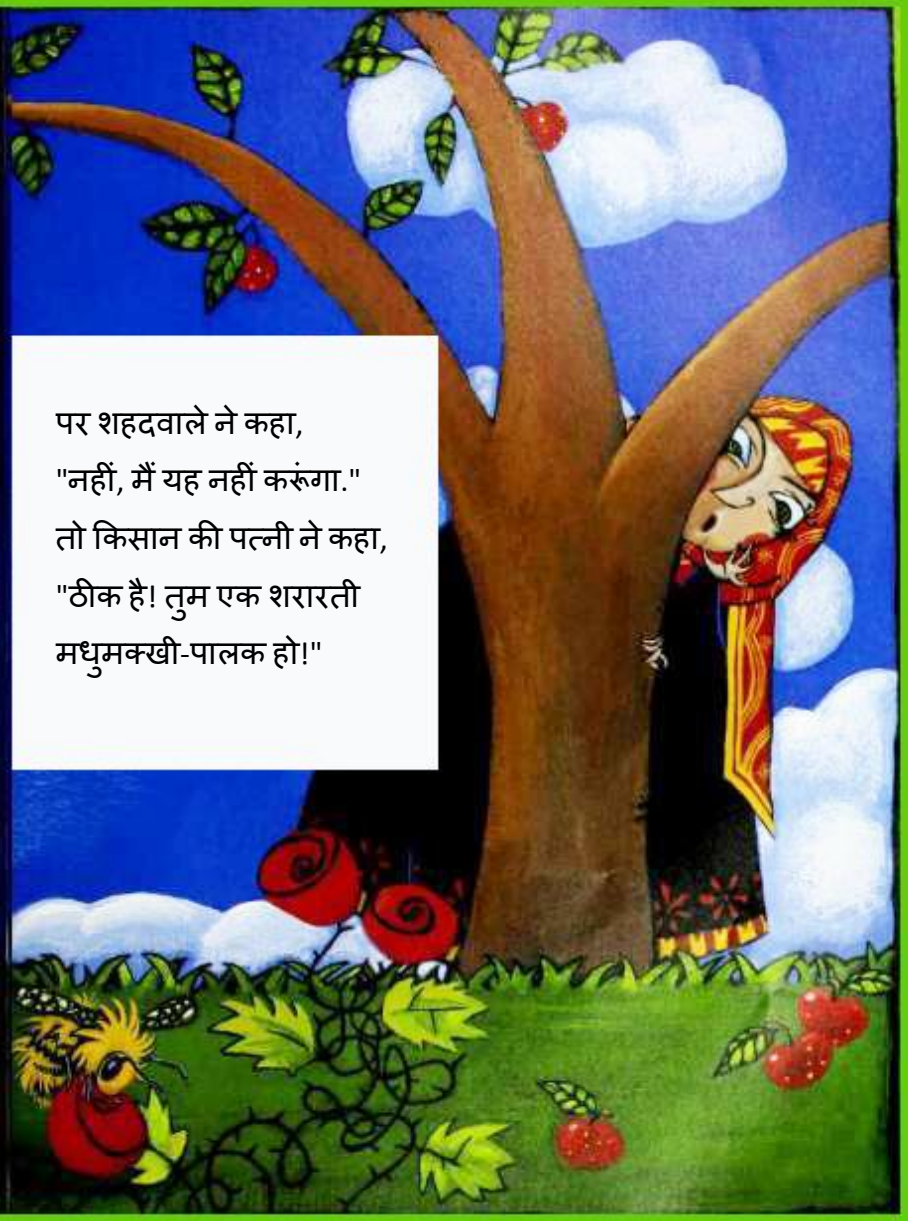

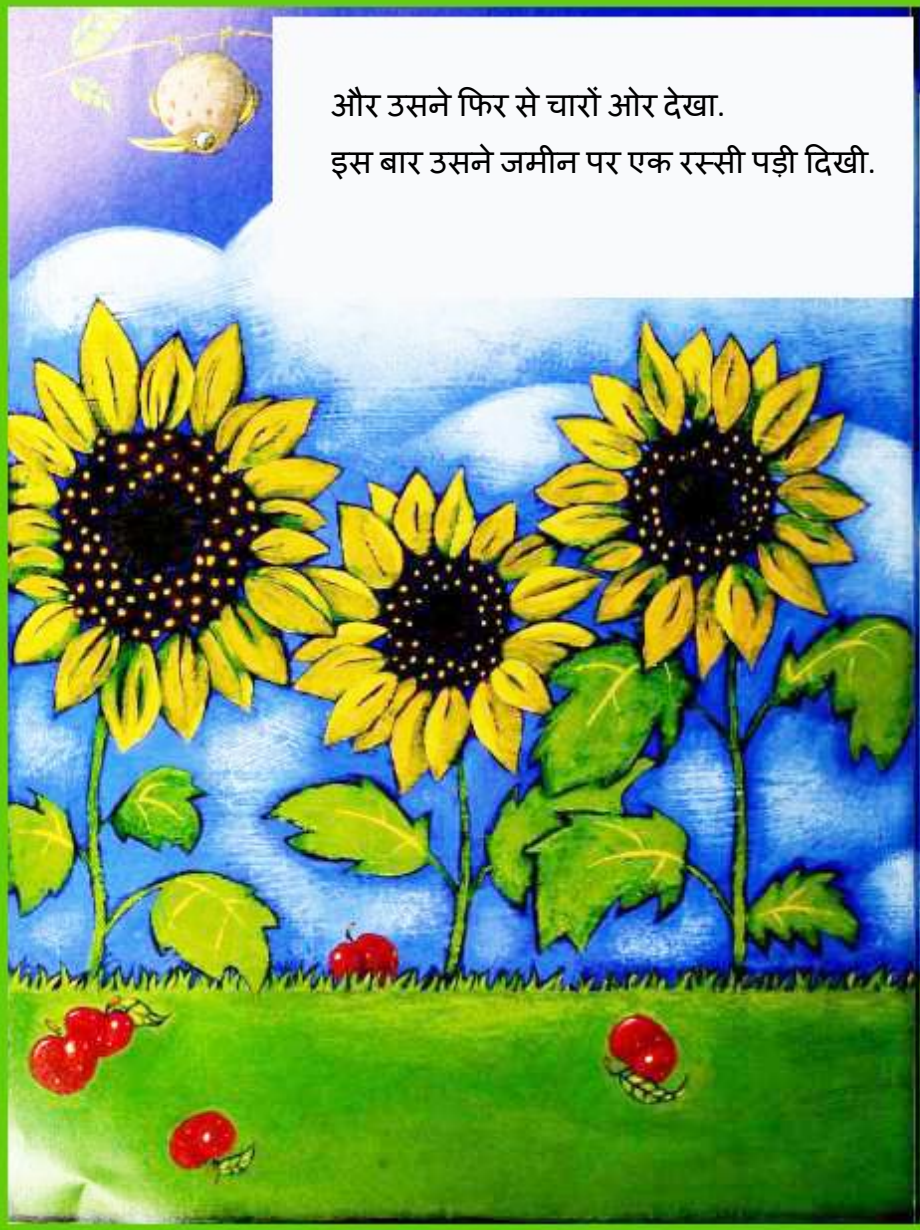

और उसने फिर से चारों ओर देखा.
इस बार उसने जमीन पर एक रस्सी पड़ी दिखी.

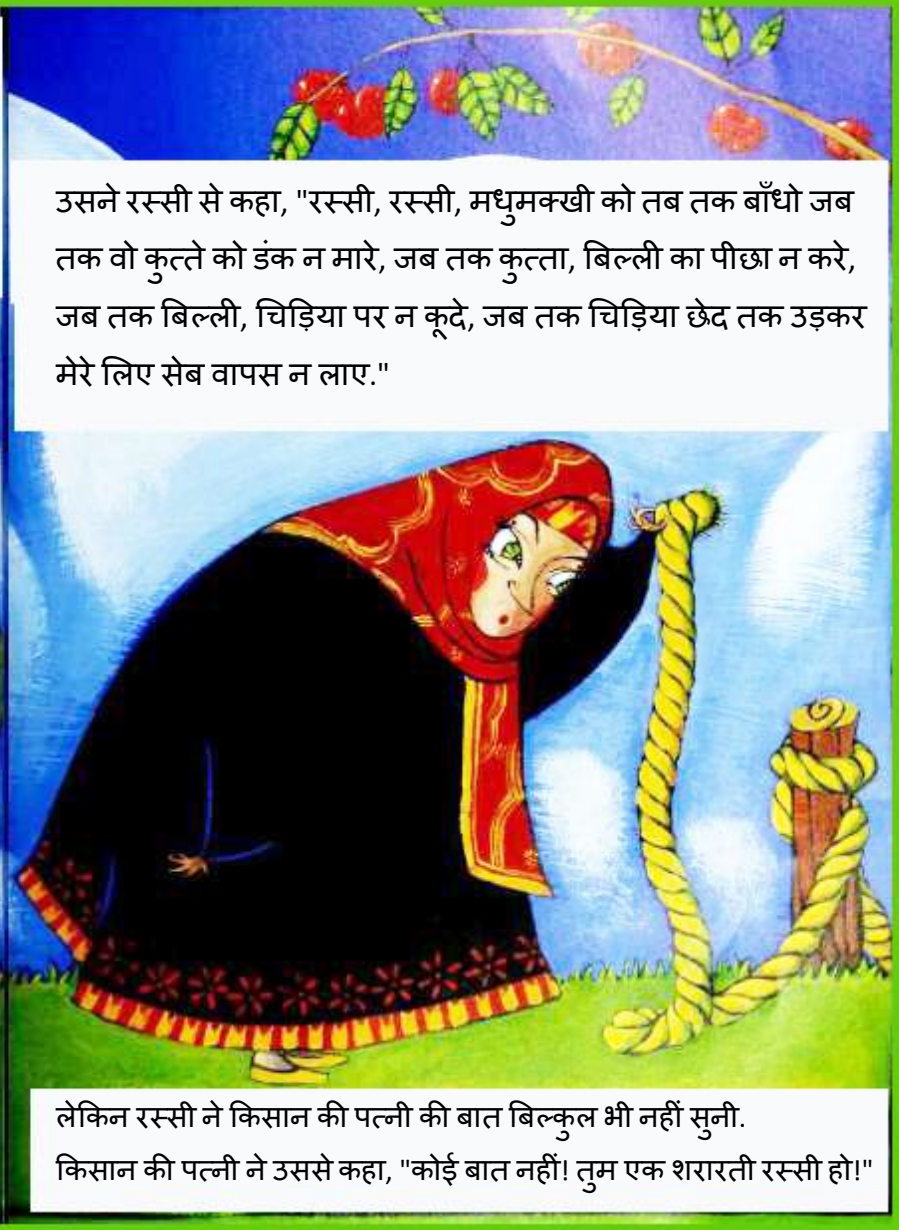

उसने रस्सी से कहा, "रस्सी, रस्सी, मधुमक्खी को तब तक बाँधो जब तक वो कुत्ते को डंक न मारे, जब तक कुत्ता, बिल्ली का पीछा न करे, जब तक बिल्ली, चिड़िया पर न कूदे, जब तक चिड़िया छेद तक उड़कर मेरे लिए सेब वापस न लाए."

लेकिन रस्सी ने किसान की पत्नी की बात बिल्कुल भी नहीं सुनी.
किसान की पत्नी ने उससे कहा, "कोई बात नहीं! तुम एक शरारती रस्सी हो!"

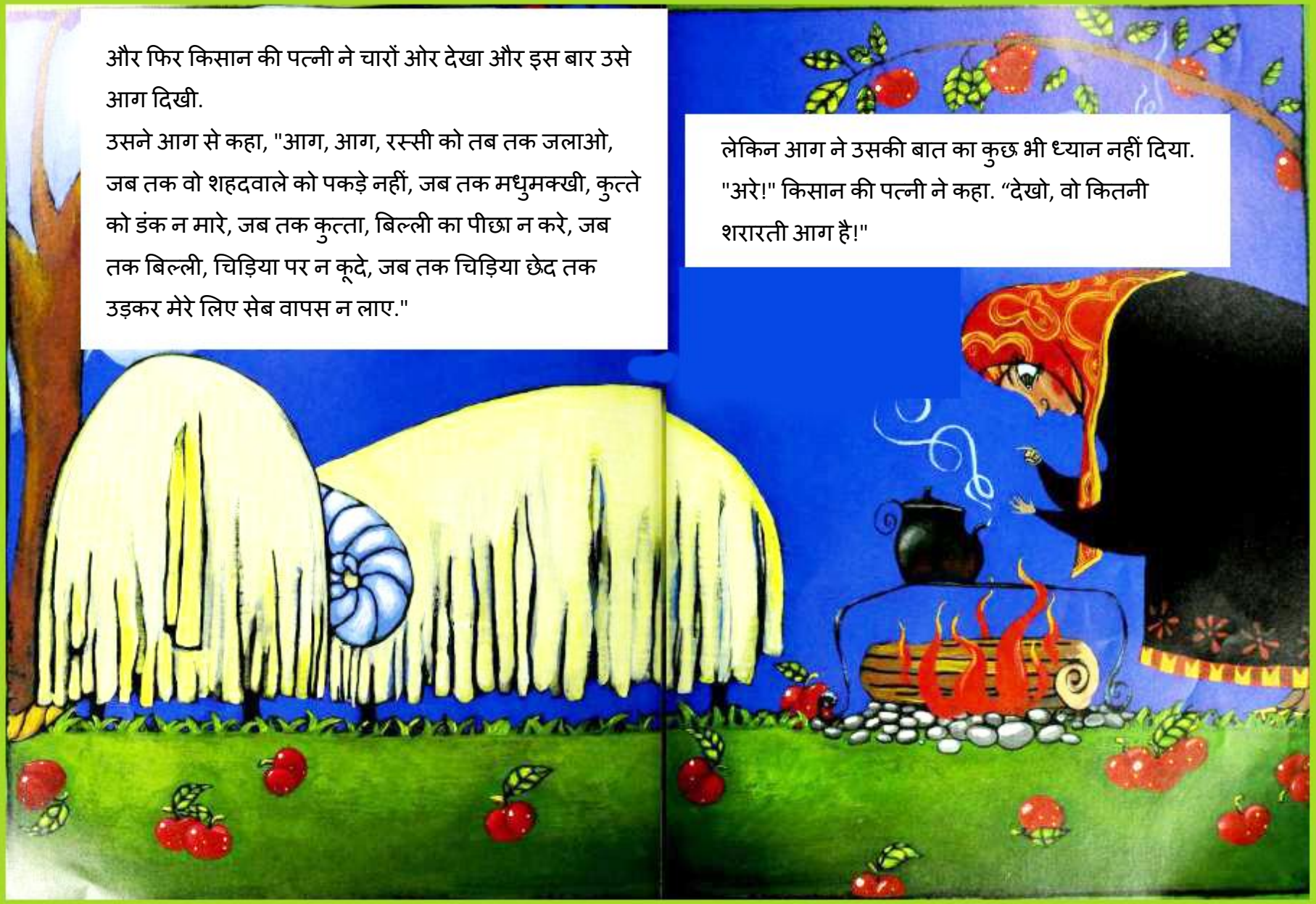

और फिर किसान की पत्नी ने चारों ओर देखा और इस बार उसे आग दिखी.

उसने आग से कहा, "आग, आग, रस्सी को तब तक जलाओ, जब तक वो शहदवाले को पकड़े नहीं, जब तक मधुमक्खी, कुत्ते को डंक न मारे, जब तक कुत्ता, बिल्ली का पीछा न करे, जब तक बिल्ली, चिड़िया पर न कूदे, जब तक चिड़िया छेद तक उड़कर मेरे लिए सेब वापस न लाए."

लेकिन आग ने उसकी बात का कुछ भी ध्यान नहीं दिया.

"अरे!" किसान की पत्नी ने कहा. “देखो, वो कितनी शरारती आग है!"

और उसने फिर से चारों ओर देखा. उसे एक पानी का गड्ढा दिखा.
किसान की पत्नी ने उससे कहा. "पानी, पानी, आग को बुझाओ, क्योंकि वो रस्सी को जलाएगी नहीं, क्योंकि रस्सी, शहदवाले को बांधेगी नहीं, क्योंकि शहदवाला, मधुमक्खी से कुत्ते को डंक मारने के लिए कहेगा नहीं, क्योंकि कुत्ता, बिल्ली का पीछा करेगा नहीं, क्योंकि बिल्ली, चिड़िया पर कूदेगी नहीं और क्योंकि चिड़िया उड़कर छेद से मेरे लिए सेब वापस लाएगी नहीं."
लेकिन पानी ने किसान की पत्नी की बात का कोई ध्यान नहीं दिया.
फिर किसान की पत्नी ने कहा, "पानी, तुम बहुत शरारती हो!"

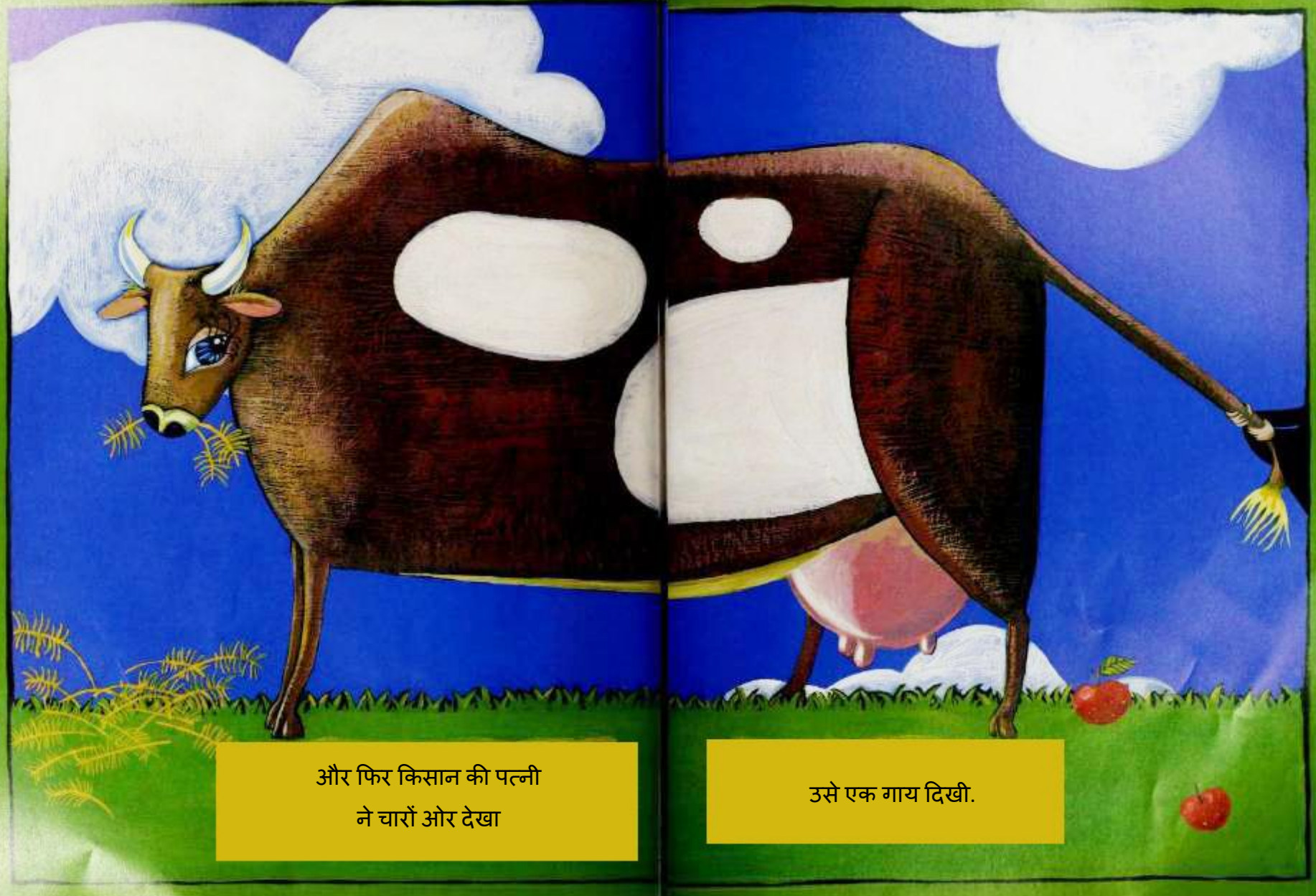

और फिर किसान की पत्नी
ने चारों ओर देखा

उसे एक गाय दिखी.

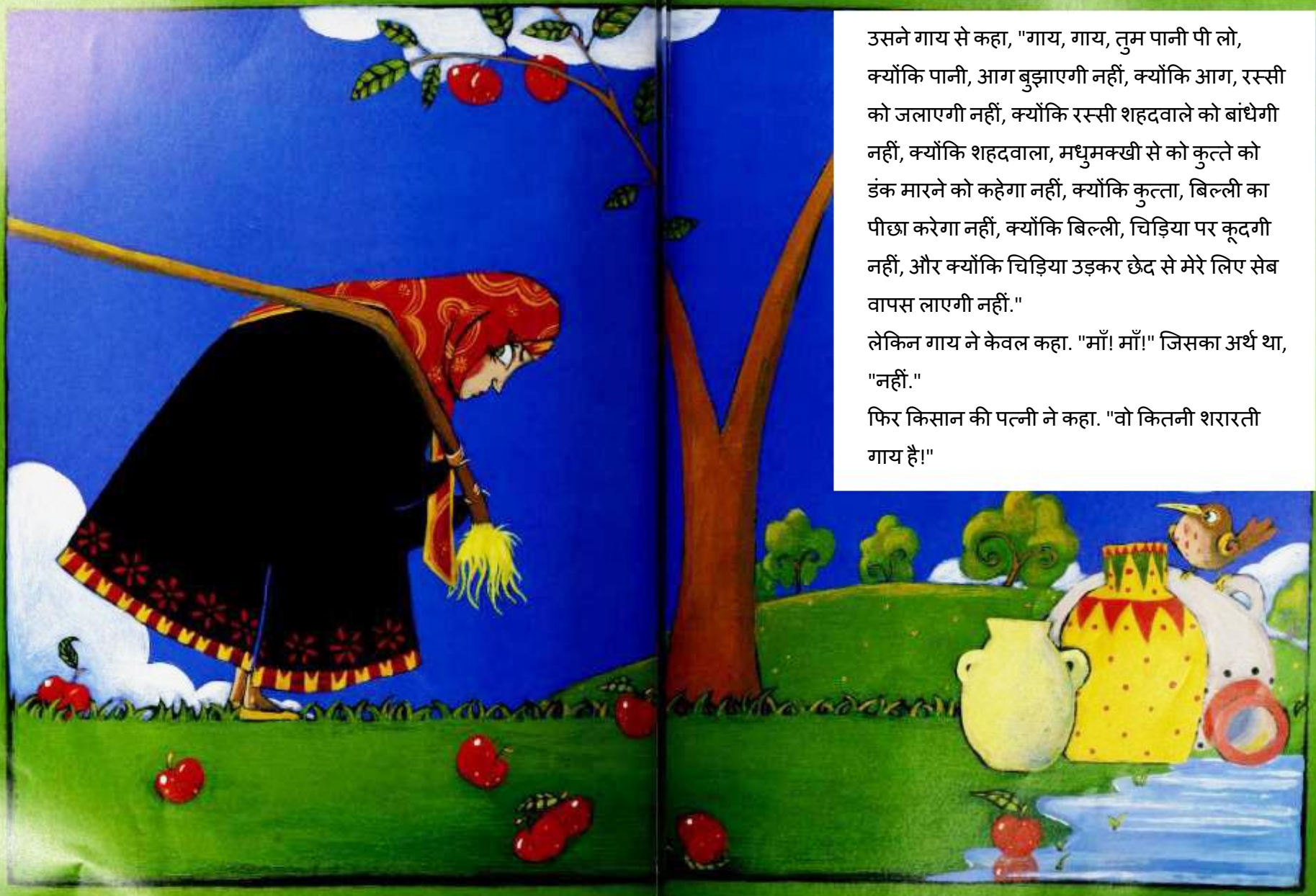

उसने गाय से कहा, "गाय, गाय, तुम पानी पी लो, क्योंकि पानी, आग बुझाएगी नहीं, क्योंकि आग, रस्सी को जलाएगी नहीं, क्योंकि रस्सी शहदवाले को बांधेगी नहीं, क्योंकि शहदवाला, मधुमक्खी से को कुत्ते को डंक मारने को कहेगा नहीं, क्योंकि कुत्ता, बिल्ली का पीछा करेगा नहीं, क्योंकि बिल्ली, चिड़िया पर कूदगी नहीं, और क्योंकि चिड़िया उड़कर छेद से मेरे लिए सेब वापस लाएगी नहीं."

लेकिन गाय ने केवल कहा. "माँ! माँ!" जिसका अर्थ था, "नहीं."

फिर किसान की पत्नी ने कहा. "वो कितनी शरारती गाय है!"

और फिर किसान की पत्नी ने एक बार फिर चारों ओर देखा. उसे फिर से वही चिड़िया दिखाई दी.
तब उसने चिड़िया से कहा,
"मैं चाहती हूं कि तुम बस एक बार उस गाय को चोंच मारो."
चिड़िया ने कहा, "ठीक है, मैं उस गाय को ज़रूर चोंच मारूंगी, पर तुम मुझसे यह उम्मीद न करना कि मैं उस छेद में से तुम्हारे लिए सेब निकालकर लाऊंगी."

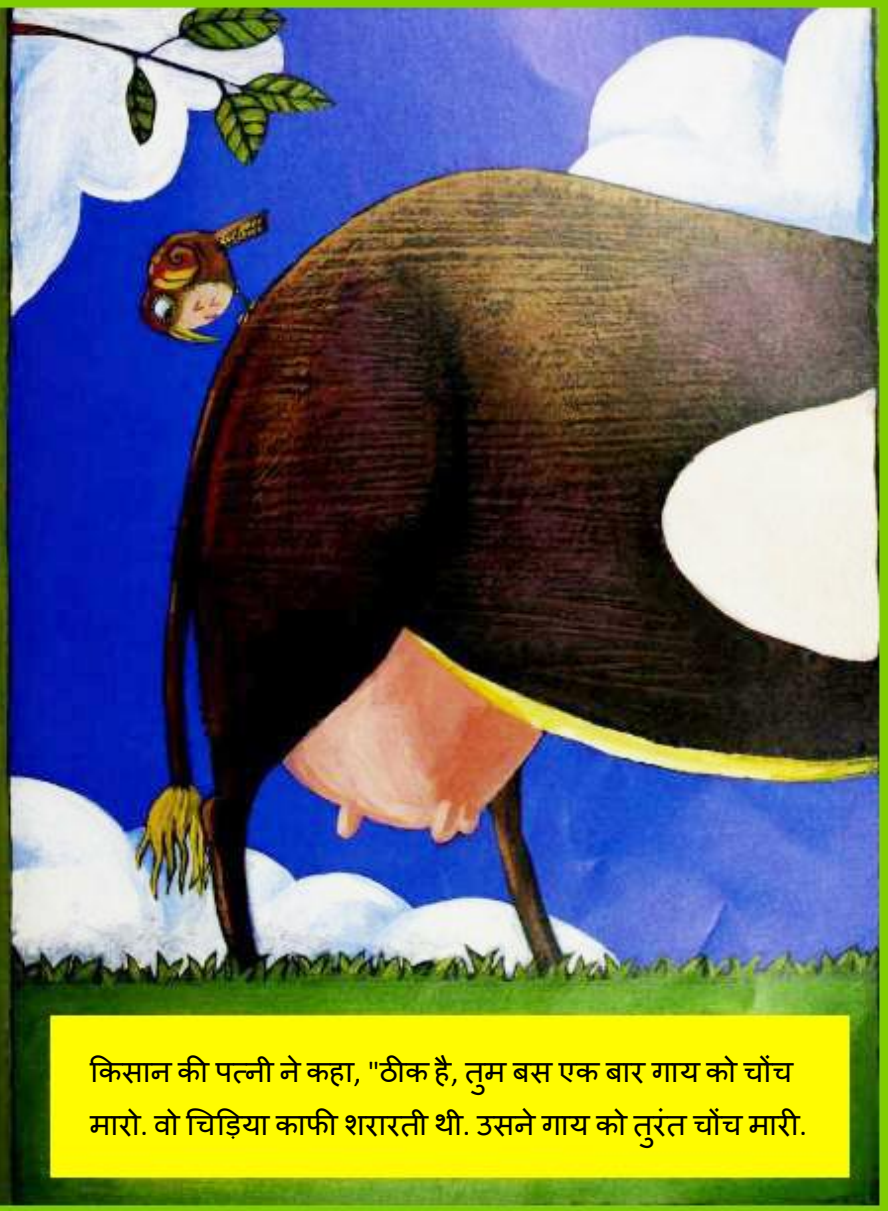

किसान की पत्नी ने कहा, "ठीक है, तुम बस एक बार गाय को चोंच मारो. वो चिड़िया काफी शरारती थी. उसने गाय को तुरंत चोंच मारी.

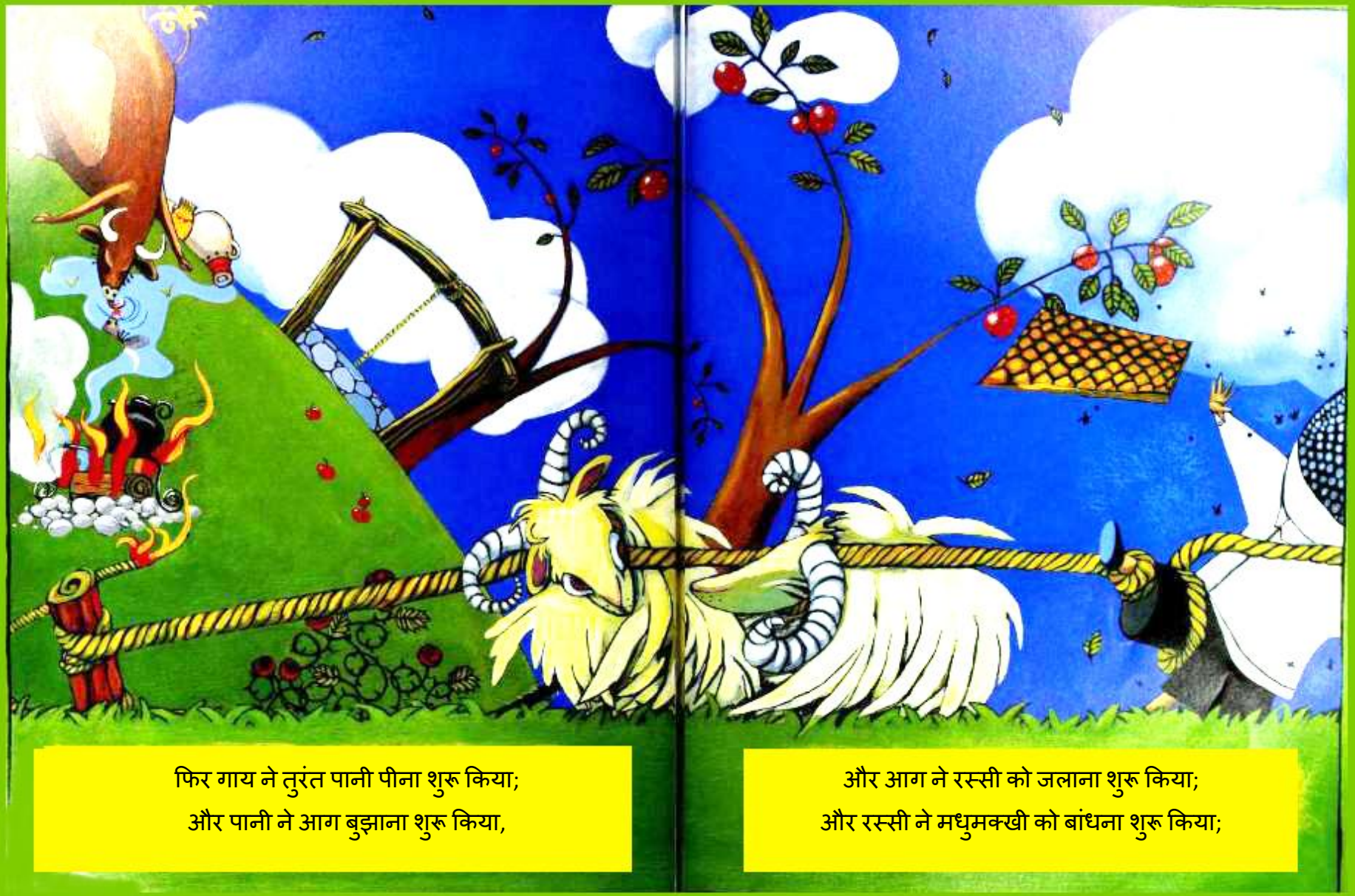

फिर गाय ने तुरंत पानी पीना शुरू किया;
और पानी ने आग बुझाना शुरू किया,

और आग ने रस्सी को जलाना शुरू किया;
और रस्सी ने मधुमक्खी को बांधना शुरू किया;

और शहदवाले ने मधुमक्खी को आदेश दिया; और मधुमक्खी ने कुत्ते को डंक मारना शुरू किया; और कुत्ते ने बिल्ली का पीछा करना शुरू किया, और बिल्ली ने उसी चिड़िया पर कूदना शुरू किया जिसने गाय को चोंच मारी थी.

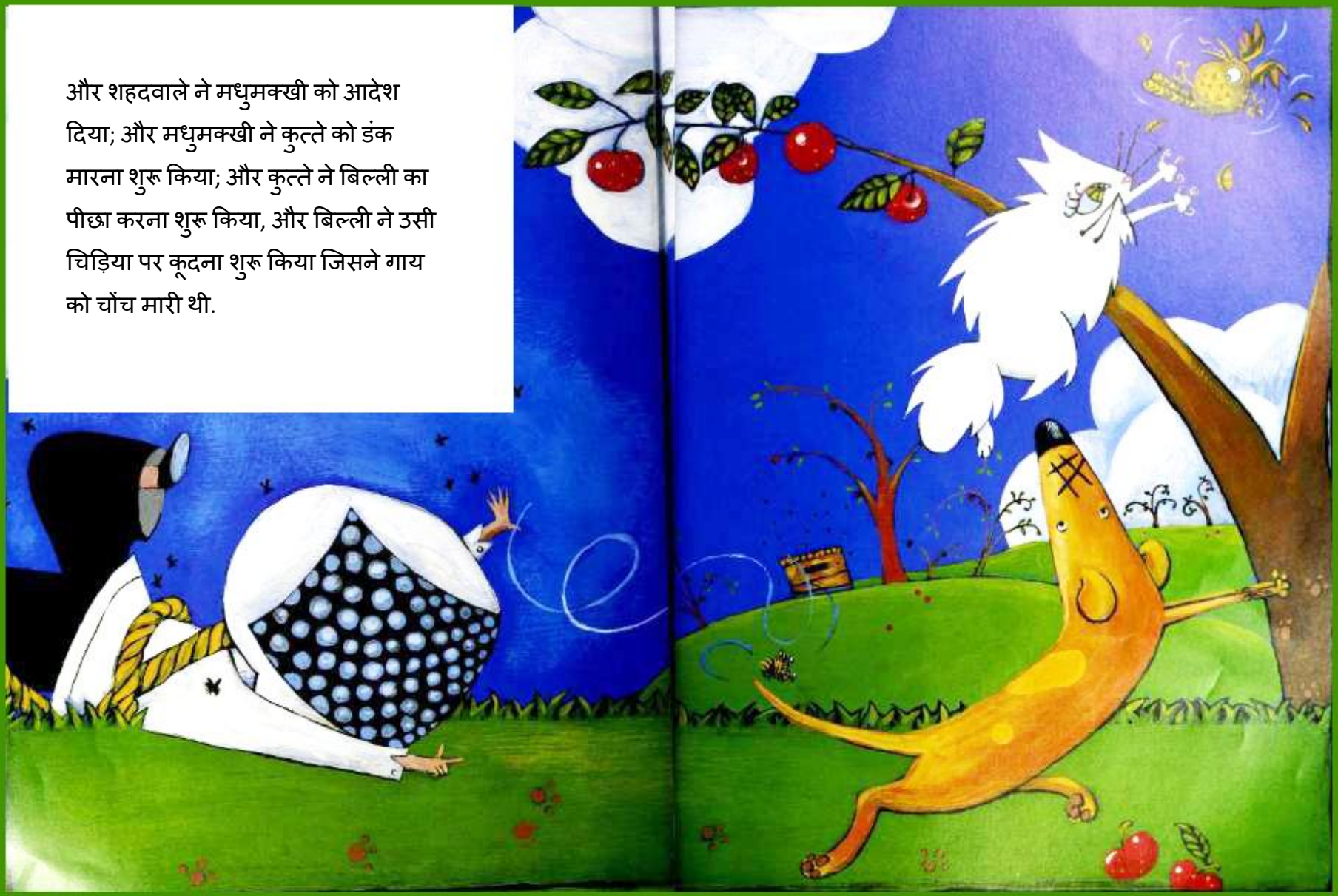

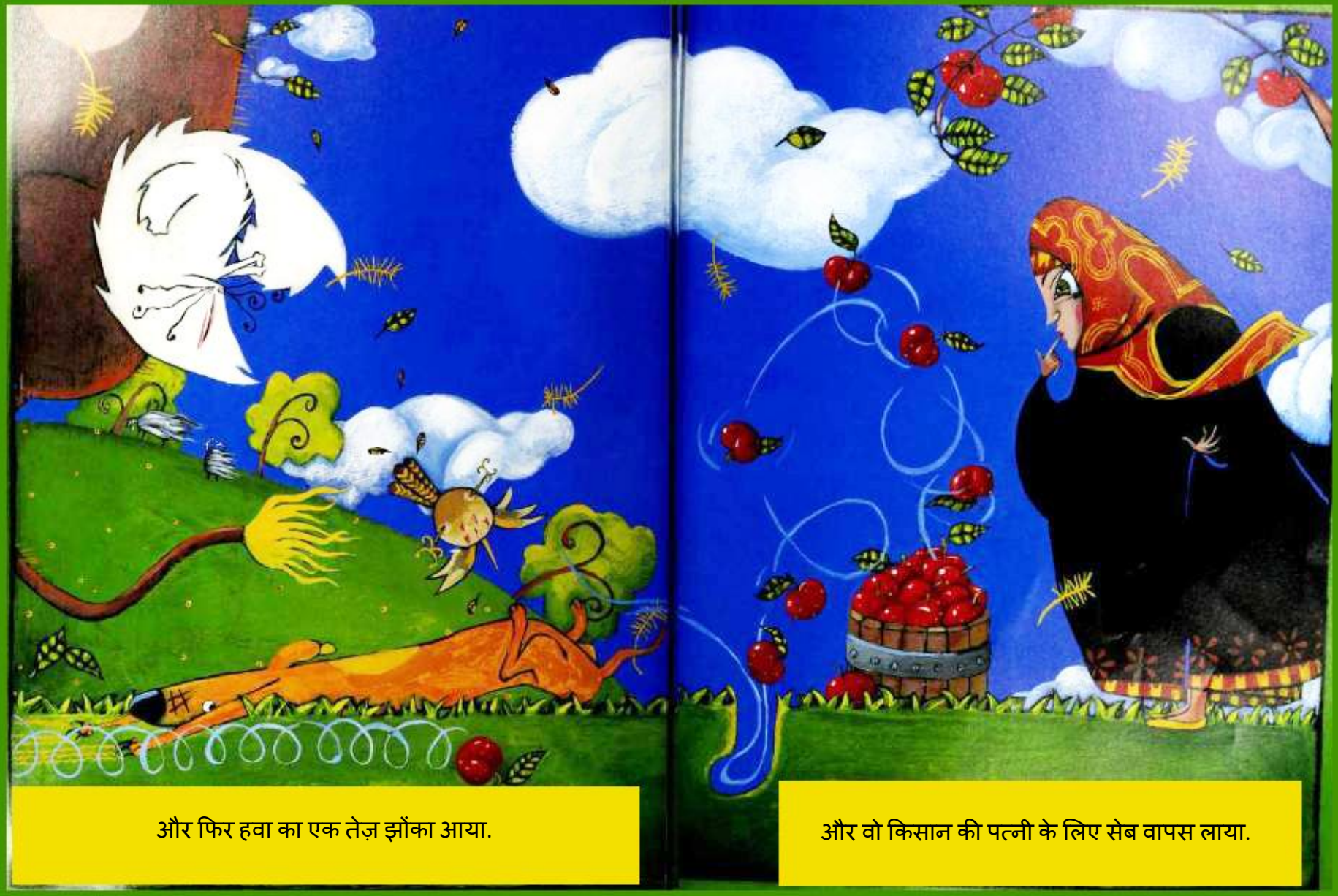

और फिर हवा का एक तेज़ झोंका आया.

और वो किसान की पत्नी के लिए सेब वापस लाया.

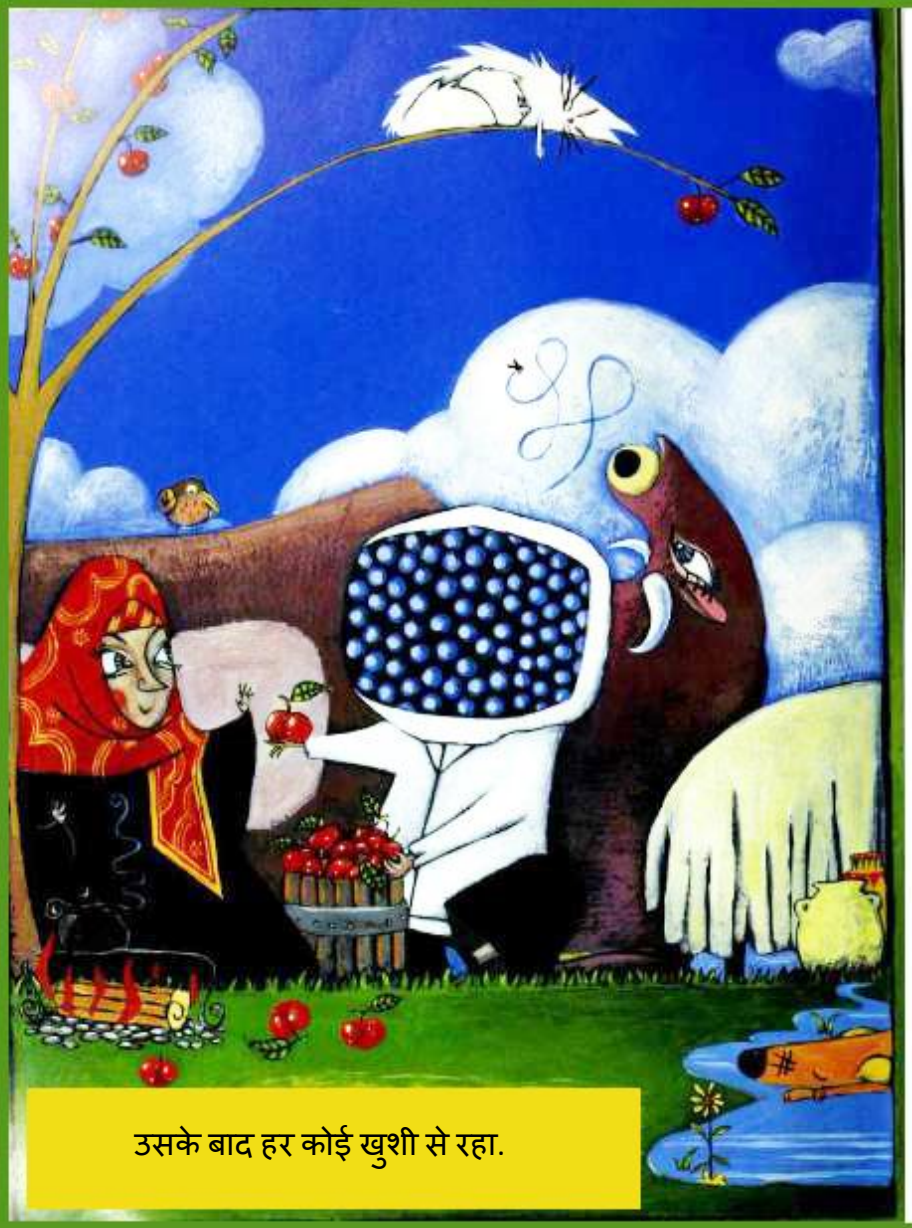

उसके बाद हर कोई खुशी से रहा.

समाप्त